राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

शिक्षक के लिए प्रशिक्षण हैंडआउट (रिपोर्टिंग फॉर्म संलग्न)

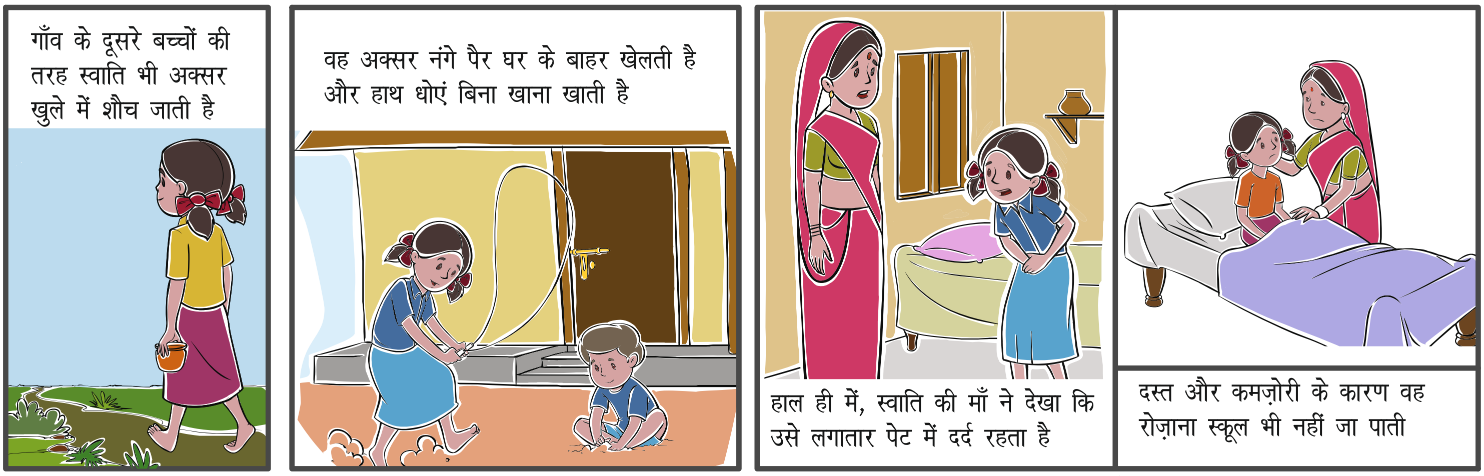

कृमि संक्रमण के मुख्य बिंदु

कृमि क्या हैं ?

कृमि परजीवी होते हैं। जो जीवित रहने के लिए मनुष्य की आंत में रहते हैं।

बच्चों में आम तौर पर तीन तरह के कृमि पाए जाते हैं

राउंड कृमि | व्हिप कृमि | हुक कृमि

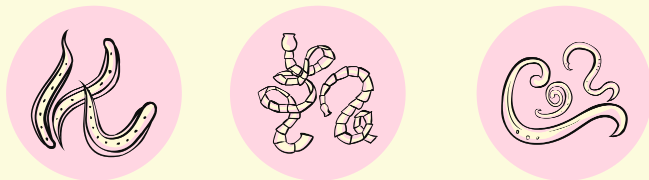

कृमि कई कारणों से बच्चे के पेट में पहुच सकते हैं-

- नंगे पैर खेलने से
- बिना हाथ धोएं खाना खाने से
- खुले में शौच करने से
- साफ-सफाई ना रखने से

कृमि संक्रमण के हानिकारक प्रभाव-

- खून की कमी (अनीमिया)
- कुपोषण
- भूख न लगना
- कमज़ोरी और बैचेनी
- पेट में दर्द, जी मिचलाना, उल्टी और दस्त आना
- वज़न में कमी आना

बच्चों को कृमि नियंत्रण के फायदे-

सीधे फायदे

- खून की कमी में सुधार
- बेहतर पोषण स्तर

अनुमानित फायदे

- स्कूल और आंगनवाड़ी केन्द्रों में उपस्थिति तथा सीखने की क्षमता में सुधार लाने में मदद
- भविष्य में कार्यक्षमता और औसत आय में बढ़ोतरी
- वातावरण में कृमि की संख्या कम होने पर समुदाय को लाभ मिलता है

कृमि संक्रमण चक्र

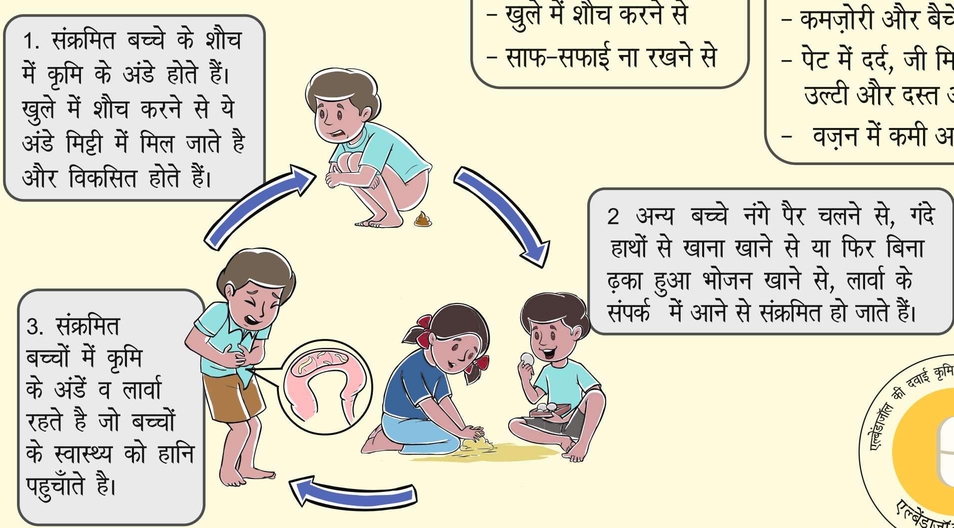

एल्बेंडाजॉल की दवाई कृमि नियंत्रण में मदद करती है

29 अगस्त 2019
राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

इस दिन 1–19 वर्ष के सभी बच्चों को एल्बेंडाजॉल दवाई सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं स्कूलों में नि:शुल्क खिलाई जाएगी।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

शिक्षक के लिए प्रशिक्षण हैंडआउट (रिपोर्टिंग फॉर्म संलग्न)

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर शिक्षक के तौर पर आपकी क्या मुख्य भूमिका है?

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से पहले

आवश्यक सामग्री की चेकलिस्ट-

- पर्याप्त मात्रा में दवाई सुनिश्चित करें
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का प्रशिक्षण/जानकारी, आवश्यक सामग्री अपने स्कूल में अन्य शिक्षक को अवश्य दें
- ए.एन.एम. और स्थानीय स्वास्थ केन्द्र के फ़ोन नंबर सम्भाल कर रखें
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस रिपोर्टिंग फॉर्म
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के बारे में बच्चों, माता-पिता और समुदाय को जागरूक करें
- बच्चों को सुबह होने वाली एसेम्बली में और कक्षा में पढ़ाते समय यह जानकारी दें
- माता-पिता को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की तिथि अवश्य बतायें ताकि वे अपने बच्चों को उस दिन स्कूल में दवा खिलवाने ज़रूर ले जाएं
- पोस्टर, बैनर आदि आई. ई. सी. को सही तरीके से लगाएं ताकि सभी उसे पढ़ पाएं

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर

सुनिश्चित करें कि आपके आसपास ये सुविधाएं जरूर उपलब्ध हों

- साफ पानी और पीने के लिए गिलास
- पर्याप्त मात्रा में दवाई
- दवाई खिलानें के लिए चम्मच
- आपातकालीन फ़ोन नंबर
- उपस्थिति रजिस्टर

कृमि मुक्ति दिवस पर छूट गए बच्चों के घर दोबारा जाएं और मॉप-अप सप्ताह 30 अगस्त से 4 सितम्बर 2019 के दौरान दवाई खाने के लिए प्रेरित करें।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के बाद

- शिक्षक राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और मॉप-अप सप्ताह के दौरान की संख्या अलग-अलग गिनती करें और हैडमास्टर को जमा करें।
- हैडमास्टर सभी कक्षाओं की जानकारी का संकलन करके स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म **10 सितम्बर 2019** तक ए.एन.एम. को दें।
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के बाद बच्चों और माता-पिता को प्रोत्साहित करें कि वे कृमि संक्रमण की रोकथाम के लिए साफ-सफ़ाई का ध्यान रखें।

ध्यान दें

1

6–19 साल के बच्चों को 1 पूरी दवाई खिलाएं।

2

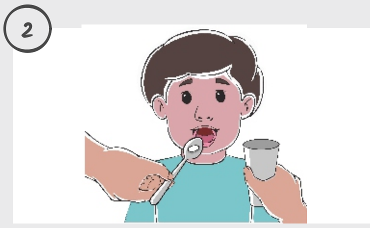

- गले में दवाई अटकने से बचाने के लिए बच्चों को हमेशा दवाई चबाकर खाने की सलाह दें।
- पीने का पानी साथ रखें।
- बिना चबा कर खायी गयी एल्बेंडाजॉल दवाई का प्रभाव महत्वपूर्ण रूप से कम हो सकता है।
- शिक्षक अपने सामने ही हर बच्चे को दवाई खिलाएं। दवाई घर ले जाने ना दें।

3

कृमि मुक्ति दिवस पर दवाई देने के साथ-साथ उपस्थिति रजिस्टर में हर बच्चे के नाम के सामने सही का एक (✓) निशान लगाएं।

4

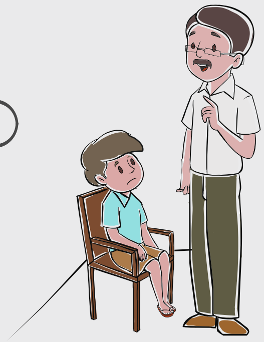

- जो बच्चे बीमार हैं या कोई अन्य दवाई ले रहें हैं उन्हें कृमि नियंत्रण की दवाई ना खिलायें।
- बच्चों को ज़बरदस्ती दवाई ना खिलायें।

5

जो बच्चे राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर किसी भी कारण छूट जाते हैं, उन्हें मॉप-अप सप्ताह के दौरान दवाई खिलाएं। बच्चे के नाम के सामने रजिस्टर पर सही के दो (✓✓) निशान लगाएं।

मॉप–अप सप्ताह 30 अगस्त से 4 सितम्बर 2019 को है

6

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और मॉप-अप सप्ताह के दौरान लगाए (✓) और (✓✓) की संख्या अलग-अलग संकलित कर हैडमास्टर को बची हुई दवाई के साथ दें।

यह दवाई बच्चों और बड़ो के लिए सुरक्षित है

- जिन बच्चों में कृमि होते हैं, उन्हें दवाई खाने पर कुछ मामूली प्रतिकूल लक्षण जैसे कि जी मिचलाना, पेट में हल्का दर्द, उल्टी, दस्त और थकान महसूस हो सकती है। घबरायें नहीं। प्रतिकूल नीति चरणों का पालन करें।
- यह प्रतिकूल लक्षण (साईड इफेक्टस) अस्थाई होते हैं और आम तौर पर आसानी से स्कूल में संभाले जा सकते हैं।
- किसी भी प्रकार के प्रतिकूल लक्षण होने पर, बच्चे को खुली छायादार जगह में लिटाकर आराम कराएं। उसे पीने का साफ पानी दें।
- **एल्बेंडाजॉल आसानी से चबाकर खाने वाली दवाई है।**

अगर दवाई का टुकड़ा गले में अटक जाए तो बच्चे को छाती के बल अपनी गोद में लिटाएं और उसकी पीठ हल्के से थपथपाएं जिससे दवाई निकल जाए।

- किसी भी चिकित्सिक सहायता के लिए **108** नम्बर पर फोन करें।

आम तौर पर पूछे जाने वाले प्रश्नः

1. मुझे सभी बच्चों को कृमि नियंत्रण की दवाई क्यों खिलानी चाहिए, जबकि कुछ बच्चे बीमार प्रतीत नहीं होते?

- कृमि संक्रमण चक्र की रोकथाम के लिए यह दवाई सभी बच्चों को देना आवश्यक है।
- हो सकता है कि कृमि संक्रमण के प्रभाव तुरंत दिखाई न दें लेकिन वे बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और संपूर्ण विकास को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं। कृमि नियंत्रण की दवाई कृमि संक्रमण की रोकथाम करती है।
- कृमि नियंत्रण की दवाई बच्चों के लिए बहुत सुरक्षित और असरदार है जिसे WHO और स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार ने कृमि नियंत्रण कार्यक्रम के लिए संस्तुत किया है। प्रत्येक बच्चे में कृमि संक्रमण की जांच करना सरल नहीं है। इससे बेहतर है कि एक निर्धारित दिन (कृमि मुक्ति दिवस) पर सभी 1—19 वर्ष के बच्चों को यह दवाई खिलाई जाये।
- कृमि नियंत्रण की दवाई से बच्चों के संपूर्ण शारीरिक और मानसिक विकास में मदद मिलती है।

2. क्या यह दवाई खाली पेट खिलाई जा सकती है?

हाँ, यह दवाई खाली पेट भी खिलाई जा सकती है। दवाई चबाकर खाने का ही निर्देश दें।

3. मुझे कृमि नियंत्रण कार्यक्रम की रिपोर्टिंग का काम क्यों सौंपा गया है?

कृमि नियंत्रण की दवाई लेने वाले प्रत्येक बच्चे की सही जानकारी, समय पर रिपोर्ट करने से कार्यक्रम की सफलता जानने में मदद मिलती है। यह बहुत ज़रूरी है और यह आपकी ज़िम्मेदारी भी है।

महत्वपूर्ण निर्देश

- सुनिश्चित करें कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस किट की पूरी सामग्री आपको प्रशिक्षण के समय प्राप्त हुई है:

दवाई + यह हैंडआउट + आई.ई.सी. + रिपोर्टिंग फॉर्म = राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस किट

- प्रशिक्षण के पश्चात अपने स्कूल के बाकी सभी शिक्षक को कार्यक्रम से जुडी जानकारी, प्रशिक्षण एवं आवश्यक सामाग्री दें।

बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक और निर्देशानुसार भागीदार बनें।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर स्वाति स्कूल गई और उसने कृमि नियंत्रण की दवाई खाई ।

अब स्वाति स्वस्थ महसूस करती है, और वह समुदाय में अपने दोस्तों को इन आवश्यक बातों के बारे में बताती है।

कृमि नियंत्रण की दवाई खाने के साथ-साथ कृमि संक्रमण की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण व्यवहार

नाखून साफ और छोटे रखें

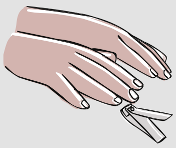

आस पास सफाई रखें

हमेशा साफ पानी पिएं

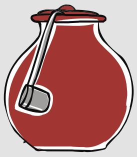

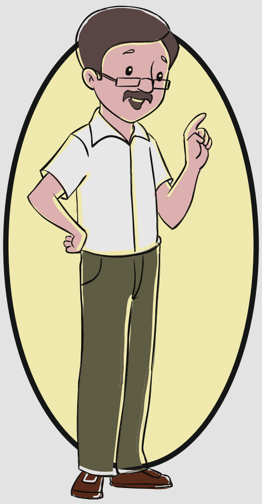

जूते पहनें

खाने को ढक कर रखें

साफ पानी से फल व सब्जियाँ धोएं

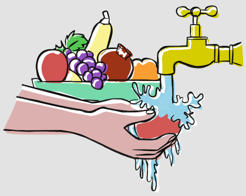

अपने हाथ साबुन से धोएं, विशेषकर खाने से पहले और शौच जाने के बाद

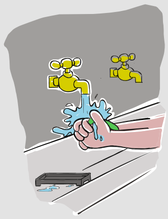

खुले में शौच ना करें, हमेशा शौचालय का प्रयोग करें

इन व्यवहारों के बारे में समुदाय में नियमित रूप से जानकारी दें

स्वाति को कृमि मुक्त कराना आपकी ज़िम्मेदारी है।

NATIONAL HEALTH MISSION राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर
सिफ्सा SIFPSA
सत्यमेव जयते
सर्व शिक्षा अभियान सब पढ़ें सब बढ़ें
RKSK Rashtriya Kishor Swasthya Karyakram
Evidence Action Deworm the World Initiative

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 29 अगस्त 2019

जमा करने वाली कॉपी

स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म

*कृपया नीचे दिए गए सभी विवरण भरें और किसी भी बॉक्स को खाली न छोड़ें।

* *कृपया कक्षा एक से नीचे वाले कक्षा के बच्चों की संख्या (यदि कोई हो) तो कक्षा 1–5 की श्रेणी में जोड़ें।

राज्य का नाम:		जिला का नाम:	
ब्लॉक का नाम:	उपकेंद्र का नाम:	ग्राम/नगर का नाम:	
स्कूल का नाम		स्कूल का DISE कोड	
स्कूल का प्रकार उचित प्रकार पर टिक (✓) करें	सरकारी/सरकारी अनुदान ( )	निजी/प्राइवेट ( )	
क्या आपके स्कूल से किसी ने कृमि मुक्ति दिवस प्रशिक्षण में भाग लिया था।	हाँ/नहीं		
एल्बेंडाजॉल दवाई का कवरेज	**लड़कियाँ**	**लड़के**	**कुल**
स्कूल में नामांकित बच्चों की कुल संख्या			
नामांकित बच्चों की कुल संख्या (कक्षा 1 से 5 तक) जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस और मॉप–अप सप्ताह के दौरान एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलाई गयी			(1)
नामांकित बच्चों की कुल संख्या (कक्षा 6 से 12 तक) जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस और मॉप–अप सप्ताह के दौरान एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलाई गयी			(2)
कुल योग: बच्चों की कुल संख्या जिन्हें एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलाई गयी (B = 1+ 2)	**(B)**		
स्कूल द्वारा रिपोर्ट की गई **गंभीर प्रतिकूल घटनाओं** की कुल संख्या (प्रतिकूल घटना रिपोर्टिंग प्रारुप प्रस्तुत करें)			
स्टॉक विवरण			
स्कूल को प्राप्त एल्बेंडाजॉल दवाई की कुल संख्या			
स्कूल के पास बची हुई एल्बेंडाजॉल दवाई की कुल संख्या			
हस्ताक्षरकर्ता का नाम (हेडमास्टर)			
हस्ताक्षर (हेडमास्टर)			
फॉर्म जमा करने की तिथि			
हेडमास्टर का फोन नंबर			

किसी भी समस्या के निवारण हेतु आप राज्य/जिला/ब्लॉक कार्यालय में बात कर सकते हैं।

हेडमास्टर स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म को भर कर 10 सितम्बर 2019 तक ए.एन.एम. के पास जमा करें
ए.एन.एम. सभी स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्मस को ब्लॉक पर 17 सितम्बर **2019** तक जमा करें

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 29 अगस्त 2019

स्कूल के लिए कॉपी

स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म

*कृपया नीचे दिए गए सभी विवरण भरें और किसी भी बॉक्स को खाली न छोड़ें।

* *कृपया कक्षा एक से नीचे वाले कक्षा के बच्चों की संख्या (यदि कोई हो) तो कक्षा 1–5 की श्रेणी में जोड़ें।

राज्य का नाम:		जिला का नाम:	
ब्लॉक का नाम:	उपकेंद्र का नाम:	ग्राम/नगर का नाम:	
स्कूल का नाम		स्कूल का DISE कोड	
स्कूल का प्रकार उचित प्रकार पर टिक (✓) करें	सरकारी/सरकारी अनुदान ( )	निजी/प्राइवेट ( )	
क्या आपके स्कूल से किसी ने कृमि मुक्ति दिवस प्रशिक्षण में भाग लिया था।	हाँ/नहीं		
एल्बेंडाजॉल दवाई का कवरेज	**लड़कियाँ**	**लड़के**	**कुल**
स्कूल में नामांकित बच्चों की कुल संख्या			
नामांकित बच्चों की कुल संख्या (कक्षा 1 से 5 तक) जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस और मॉप–अप सप्ताह के दौरान एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलाई गयी			(1)
नामांकित बच्चों की कुल संख्या (कक्षा 6 से 12 तक) जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस और मॉप–अप सप्ताह के दौरान एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलाई गयी			(2)
कुल योग: बच्चों की कुल संख्या जिन्हें एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलाई गयी (B = 1+ 2)	**(B)**		
स्कूल द्वारा रिपोर्ट की गई **गंभीर प्रतिकूल घटनाओं** की कुल संख्या (प्रतिकूल घटना रिपोर्टिंग प्रारुप प्रस्तुत करें)			
स्टॉक विवरण			
स्कूल को प्राप्त एल्बेंडाजॉल दवाई की कुल संख्या			
स्कूल के पास बची हुई एल्बेंडाजॉल दवाई की कुल संख्या			
हस्ताक्षरकर्ता का नाम (हेडमास्टर)			
हस्ताक्षर (हेडमास्टर)			
फॉर्म जमा करने की तिथि			
हेडमास्टर का फोन नंबर			

किसी भी समस्या के निवारण हेतु आप राज्य/जिला/ब्लॉक कार्यालय में बात कर सकते हैं।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 29 अगस्त 2019 एवं
मॉप-अप सप्ताह 30 अगस्त से 4 सितम्बर 2019 तक

नोट: रिकॉर्ड और सत्यापन (वेरिफिकेशन) के लिए हेडमास्टर रिपोर्टिंग फार्म की इस कॉपी को भर कर अपने पास स्कूल में ही रखें।

याद रखें

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस: **29 अगस्त 2019**

मॉप-अप सप्ताह: **30 अगस्त से 4 सितम्बर 2019**

आंगनवाड़ी रिपोर्टिंग फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि: **10 सितम्बर 2019**

ध्यान दें

1. इस पृष्ठ/पन्ने के पीछे राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म है।
2. हैंडआउट के साथ दिए गए रिपोर्टिंग फॉर्म को परफोरेशन (दिए गए छिद्र) से अलग करें।
3. हेडमास्टर सभी वर्गों के आंकड़ों को स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म में भरकर समयानुसार ए.एन.एम. को जमा कर दें।

रिपोर्टिंग गाईडलाईस (स्कूल)

रिकॉर्डिंग

- शिक्षक राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर दवाई खिलाने के साथ-साथ कक्षा के उपस्थिति रजिस्टर में हर बच्चे के नाम के सामने एक सही का (✓) निशान लगाएं।
- शिक्षक मॉप-अप सप्ताह के दौरान पर दवाई खिलाने के साथ-साथ कक्षा के उपस्थिति रजिस्टर में हर बच्चे के नाम के सामने दो सही (✓✓) का निशान लगाएं।

रिपोर्टिंग

- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और मॉप-अप सप्ताह के दौरान पर शिक्षक दवाई खाये बच्चों की संख्या अलग-अलग गिनती करें और हेडमास्टर को जमा करें।
- हेडमास्टर बच्चों की संख्या लिखने से पहले सुनश्चित करें कि गिनती सही की गई है। इसमे अपने स्कूल के किसी एक शिक्षक से आंकड़ो की गणना अवश्य करायें।
- हेडमास्टर स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म को भर कर बची हुई एल्बेंडाजॉल दवाई के साथ ए.एन.एम. को जमा करें।
- रिकॉर्ड और सत्यापन के लिए रिपोर्टिंग फॉर्म की एक कॉपी स्कूल में अपने पास रखें।

याद रखें

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस: **29 अगस्त 2019**

मॉप-अप सप्ताह: **30 अगस्त से 4 सितम्बर 2019**

आंगनवाड़ी रिपोर्टिंग फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि: **10 सितम्बर 2019**

ध्यान दें

1. इस पृष्ठ/पन्ने के पीछे राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म है।
2. हैंडआउट के साथ दिए गए रिपोर्टिंग फॉर्म को परफोरेशन (दिए गए छिद्र) से अलग करें।
3. हेडमास्टर सभी वर्गों के आंकड़ों को स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म में भरकर समयानुसार ए.एन.एम. को जमा कर दें।

रिपोर्टिंग गाईडलाईस (स्कूल)

रिकॉर्डिंग

- शिक्षक राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर दवाई खिलाने के साथ-साथ कक्षा के उपस्थिति रजिस्टर में हर बच्चे के नाम के सामने एक सही का (✓) निशान लगाएं।
- शिक्षक मॉप-अप सप्ताह के दौरान पर दवाई खिलाने के साथ-साथ कक्षा के उपस्थिति रजिस्टर में हर बच्चे के नाम के सामने दो सही (✓✓) का निशान लगाएं।

रिपोर्टिंग

- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और मॉप-अप सप्ताह के दौरान पर शिक्षक दवाई खाये बच्चों की संख्या अलग-अलग गिनती करें और हेडमास्टर को जमा करें।
- हेडमास्टर बच्चों की संख्या लिखने से पहले सुनश्चित करें कि गिनती सही की गई है। इसमे अपने स्कूल के किसी एक शिक्षक से आंकड़ो की गणना अवश्य करायें।
- हेडमास्टर स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म को भर कर बची हुई एल्बेंडाजॉल दवाई के साथ ए.एन.एम. को जमा करें।
- रिकॉर्ड और सत्यापन के लिए रिपोर्टिंग फॉर्म की एक कॉपी स्कूल में अपने पास रखें।